



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 19 मई, 2001/29 बंशाब्द, 1923

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्मिक विभाग  
(नियुक्ति-4)

अधिसूचना

शिमला-2, 18 मई, 2001

संख्या कार्मिक (नि० 4)-ए(1)-3/92. —हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, हिमाचल प्रदेश (कार्मिक विभाग) (सचिवालय सेवाएँ) सहायक विधि परामर्शी एवं अवर सचिव (विधि), वर्ग-1 (राजपत्रित) के पद के भर्ती और प्रोन्नति नियम, 1997 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश कार्मिक विभाग (सचिवालय सेवाएँ) सहायक विधि परामर्शी एवं अवर सचिव (विधि), वर्ग-1 (राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 2001 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपाबन्ध "अ" का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश (कामिक विभाग) (सचिवालय सेवायें) सहायक विधि परामर्शी एवं अवर सचिव (विधि), वर्ग-1 (राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1997 के उपाबन्ध 'अ' में:—

(क) स्तम्भ संख्या 4 के नामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जायेंगे, अर्थात्:—

"रूपये 10025-275-10300-340-12000-375-13500-400-15100".

(ख) स्तम्भ संख्या 4 के नामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जायेंगे, अर्थात्:—

"(I) बरिष्ठ विधि अधिकारी में से, प्रोन्नति द्वारा, जिनका 5 वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में 31-3-1998 तक की गई लगातार तदर्थ सेवा सहित 5 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो।

(II) ऐसा न होने पर बरिष्ठ विधि अधिकारी में से प्रोन्नति द्वारा जिसका बरिष्ठ विधि अधिकारी और विधि अधिकारी के रूप में 10 वर्ष का न्यूनतम संयुक्त नियमित सेवाकाल या ग्रेड में 31-3-1998 तक की गई लगातार तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, को सम्मिलित करके 10 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो।

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में, पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में 31-3-1998 तक की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिए, इस शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी, कि सम्भरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी, परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (31-3-1998 तक तदर्थ आधार पर की गई तदर्थ सेवा सहित जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो, को शामिल करके) के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है, वहां अपने-अपने प्रवर्ग/पद/कांडर में उससे बरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जायेंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जायेंगे :

परन्तु उन सभी पदधारियों की, जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाता है, कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा जो भी कम हो, होगी :

परन्तु यह और भी कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा/समझे जाएंगे।

स्पष्टीकरण.—अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिये अपात्र नहीं समझा जायेगा/समझे जाएंगे यदि बरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है, जिसे डिमोबिलाईज्ड आर्मंड फोर्सिस परसोनल (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन हिमाचल स्टेट नान-टैक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों या जिसे एक्स सर्विसमैन (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन दी हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1985 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों।

(2) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियुक्ति/प्रोन्नति से पूर्व 31-3-1998 तक की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिये गणना में ली जायेगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति उचित चयन के पश्चात् और भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई थी :

परन्तु 31-3-98 तक की गई उपर्युक्त निर्दिष्ट तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थायीकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी।"

आदेश द्वारा,

ए० के० गोस्वामी,

मुख्य सचिव।

[Authoritative English text of this Department Notification No. Per(A-IV)-A(1)-3/92, dated 18-5-2001 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## PERSONNEL (A-IV) DEPARTMENT

### NOTIFICATION

*Shimla-2, the 18th May, 2001*

**No. Per(A-IV)-A(1)-3/92.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh, in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased to make the following rules to amend the Himachal Pradesh (Department of Personnel) (Secretariat Services) Assistant Legal Remembrancer-cum-Under Secretary (Law), Class-I (Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1997, namely :—

**1. Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the "Himachal Pradesh (Department of Personnel) (Secretariat Services) Assistant Legal Remembrancer-cum-Under Secretary (Law), Class-I (Gazetted) Recruitment and Promotion (Amendment) Rules, 2001.

(2) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

**2. Amendment of Annexure-A.**—In Annexure 'A' to the Himachal Pradesh (Department of Personnel) (Secretariat Services) Assistant Legal Remembrancer-cum-Under Secretary (Law), Class-I (Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1997 :—

(a) For the existing provision against Col. No. 4, the following shall be substituted, namely :—

"Rs. 10025-275-10300-340-12000-375-13500-400-15100."

(b) For the existing provisions against Col. 11, the following shall be substituted, namely :—

(i) By promotion from Senior Law Officer with 5 years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* (rendered upto 31-3-1998) service in the grade.

- (ii) Failing which by promotion from amongst the Senior Law Officer having minimum of 10 years combined regular service as Senior Law Officer and Law Officer including the combined regular with continuous *ad hoc* (rendered upto 31-3-1998), if any, in the grade.
- (1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to the regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the 'provisions of Recruitment and Promotion Rules, provided that in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis upto 31-3-1998, followed by regular service/appointment) in the feeder post-in view of the provisions referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration:

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of atleast three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less:

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

**Explanation.**—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be Ex-servicemen recruited under the provisions of Rule 3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule 3 of Ex-servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

- (2) Similarly in all cases of confirmation, continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service, if the *ad hoc* appointment/promotion had been made after proper selection and in accordance with the provisions of the R & P Rules :

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account, *ad hoc* service rendered upto 31-3-1998 as referred to above shall remain unchanged.

By order,

A. K. GOSWAMI,  
Chief Secretary.